भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 819

07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सीएसएस के अंतर्गत आयुष चिकित्सा पद्धति

819. श्री चंदन चौहान:

श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और हरियाणा में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में कोई विशेष पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के उद्देश्य क्या हैं तथा सरकार द्वारा इस संबंध में क्या प्रमुख कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार का विदेश में आयुष अकादमिक पीठ स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो इसके लाभों और तत्संबंधी कार्यान्वयन प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत विशेषज्ञों और सूचना के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए कोई भागीदारी की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) जी, नहीं, सरकार ने हाल ही में केंद्रीय क्षेत्रीय योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश और हरियाणा में आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष पहल नहीं की है। हालांकि, आयुष स्वास्थ्य देखभाल पद्धति के प्रचार-प्रसार के अधिदेश को पूरा करने के उद्देश्य से, आयुष मंत्रालय आयुष में नामत: सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्रीय योजना को कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना के तहत, मंत्रालय राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर आरोग्य मेले, योग महोत्सव/उत्सव, आयुर्वेद पर्व आयोजित करता है, आयुष पद्धति के महत्वपूर्ण दिवस मनाता है, स्वास्थ्य मेलों/मेलों, प्रदर्शनियों आदि में भाग लेता है, आयुष स्वास्थ्य देखभाल पद्धति के विषय में नागरिकों में जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन आयोजित करने और मल्टीमीडिया अभियान आदि आयोजित करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इस योजना के अंतर्गत मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2022-23 से उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक राज्य स्तरीय आरोग्य मेला, हरियाणा के पंचकुला और रोहतक में क्रमशः दो आयुर्वेद पर्व आयोजित किए हैं, हरियाणा के फरीदाबाद में सूरज कुंड मेला-2024 में भाग लिया है तथा करनाल, हरियाणा में एक सम्मेलन आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

आयुष मंत्रालय वित्त वर्ष 2021-22 से आयुर्वेद स्वास्थ्य योजना नामक एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना को कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना के 02 घटक हैं: (i) आयुष और जन स्वास्थ्य (ii) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)। आयुष और सार्वजनिक स्वास्थ्य घटक (पीएचआई) का प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ प्रामाणिक प्राचीन आयुष उपचारों को प्रदान करना है:-

- सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आयुष उपचार को बढ़ावा देना।
- जन स्वास्थ्य में आयुष स्वास्थ्य देखभाल के लाभों को प्रदर्शित करना।
- आयुष पद्धति को एकीकृत करके सतत विकास लक्ष्य-2 (एसडीजी2) और सतत विकास लक्ष्य-3 (एसडीजी 3) को कार्यान्वित करने में सहायता प्रदान करना।
- विभिन्न जन स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में आयुष उपचारों के माध्यम से आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता का दस्तावेजीकरण करना, जिन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कार्यान्वयन के लिए बड़े पैमाने पर शुरू किया जा सकता है।

(ख) आयुष पीठ कार्यक्रम आयुष मंत्रालय की एक पहल है जिसका उद्देश्य पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना और मजबूत करना है। इस कार्यक्रम के तहत, आयुष पद्धतियों के बारे में अकादमिक सहयोग अनुसंधान और जागरूकता को सुविधाजनक बनाने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में आयुष पीठ स्थापित की जाती हैं। वर्तमान में आयुष मंत्रालय और विश्व भर के विभिन्न देशों के मध्य 15 आयुष पीठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

ग) और घ) इस मंत्रालय ने केन्द्रीय क्षेत्रीय योजनाओं के अंतर्गत विशेषज्ञों और सूचना के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए कोई साझेदारी नहीं की है।

****